

पांच चरणों में होगी यूपीएसईई की काउंसलिंग

केनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों में दाखिले के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविविधिक विश्वविद्यालय की ओर से राज्य प्रवेश परीक्षा पास करने वाले छात्रों की काउंसलिंग 20 जून से शुरू होगी। लेकिन इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 15 जून को शुरू होगी। काउंसलिंग प्रक्रिया पांच चरणों में होगी। सबसे बड़ी बात यह भी है कि इस बार एकेटीयू प्रशासन ने छात्रों को काफी राहत दी है। ऐसे में छात्र अब कहीं से भी ऑनलाइन काउंसलिंग करवा सकेंगे। ऐसे में छात्रों के समय की तो बचत होगी ही साथ ही उनको काउंसलिंग केन्द्र पर भी नहीं जाने की जरूरत पड़ेगी।

इस बारे में एकेटीयू के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक एकेटीयू की ओर से एसईई की काउंसलिंग के लिए केन्द्र निर्धारित किए जाते थे। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए छात्रों को काउंसलिंग केन्द्र पर जाना पड़ता था। उसके बाद ही वह छात्र काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल हो

राहत

□ एकेटीयू ने छात्रों को दी राहत, इस बार घर बैठे ऑनलाइन होगी काउंसलिंग

□ छात्र चुन सकेंगे अपना मन पसंद कॉलेज

सकता था। लेकिन इस बार एकेटीयू ने पूरी प्रक्रिया को समाप्त कर नये सिरे से ऑनलाइन प्रक्रिया रखने का निर्णय लिया है। जिसके चलते छात्रों को काउंसलिंग केन्द्र पर धक्का मुक्की करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस बार छात्रों से काउंसलिंग फीस भी नहीं ली जायेगी।

चॉइस लॉक करने के बाद तैयार होगी मेरिट: इस बार नई प्रक्रिया के तहत छात्र को ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से चॉइस लाकर करने के बाद मेरिट के हिसाब से सीट मिल सकेगी। इसके बाद ही छात्रों को एलॉट कॉलेज में जाकर अपने डाक्यूमेंटों का वेरिफिकेशन कराना होगा। सीट लॉक करन के लिए छात्रों को 15 हजार रुपए फीस भी चुकानी होगी। दरअसल अभी तक

यह है काउंसलिंग का शेड्यूल

काउंसलिंग प्रक्रिया पांच चरणों में होगी। एकेटीयू प्रशासन की ओर से जारी काउंसलिंग शेड्यूल के मुताबिक रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 5 दिन चलेगी। इसके लिए छात्रों को 15 जून से 19 जून तक मौका मिलेगा। वहीं पहले चरण काउंसलिंग प्रक्रिया 20 जून को शुरू होगी। दूसरे चरण की काउंसलिंग 23 जून को शुरू होगी। तीसरे चरण की काउंसलिंग 27 जून और चौथे चरण की काउंसलिंग 2 जुलाई को होगी। जबकि पांचवें चरण की काउंसलिंग 18 जुलाई को शुरू होगी।

छात्र एक कॉलेज में सीट लाक करने के बाद दूसरे कॉलेज में दाखिले के लिए आवेदन कर देता था। जब दूसरे कॉलेज में छात्रों को सीट मिल जाती थी तो वह पहले वाली लॉक की गयी सीट को छोड़ देता था।